समाजशास्त्र —
पेपर II

अन्तर-पीढ़ी संघर्ष का अर्थ —

जब एक पीढ़ी दबाव, विरोध व दमन की आदि के द्वारा दूसरी पीढ़ी को दबाने का प्रयास किया जाता है तो ऐसी स्थिति को ही अन्तर-पीढ़ी संघर्ष का नाम दिया जाता है उदाहरण — विभिन्न दशाओं के कारण युवा और प्रौढ़ या वृद्ध पीढ़ी के बीच संघर्ष का होना

भारतीय समाज में अन्तर पीढ़ी संघर्ष की समस्या आधुनिक समाज की देन है। अन्तर पीढ़ी के संघर्ष की यह समस्या जीवन के हर क्षेत्र में देखे जा सकते हैं।

अन्तर पीढ़ी संघर्ष के कारण —

अन्तर पीढ़ी संघर्ष किसी एक कारण का परिणाम नहीं है यह अनेक कारणों का परिणाम है इसके निम्न कारण हैं।

पाश्चात्य संस्कृति — भारत में अंग्रेजी शासन

व्यवस्था कायम होने के बाद से ही हमारा सम्पर्क पश्चिमी संस्कृति से स्थापित हो गया, दिन प्रतिदिन घनिष्ठ होता गया समानता वैयक्तिक स्वतन्त्रता व्यक्तिवादिता मानवता वाद पश्चिमी संस्कृति की देन है।

आधुनिक शिक्षा — गुन्नार मिर्डल के अनुसार

"शिक्षा विकास के लिए अत्यधिक महत्व पूर्ण तत्व है।"

जेम्स॰ एस॰ कोलमैन — "अतीत में शिक्षा व्यवस्था जहाँ रूढ़ वादिता, संस्कृति रक्षक एंव संस्कृति रक्षक एंव संस्कृति प्रसारक के रुप में काम आती है वही आज यह परिवर्तन पहलुओं के निर्धारक के रूप में प्रयुक्त होती है।

नैतिकता के नये प्रतिमान —

नैतिकता उचित या अनुचित की धारणा पर आधारित है। पूर्व की पीढ़ी जिसे उचित समझती रही, आज ~~यह~~ की पीढ़ी

PAGE NO.:
DATE: / /

उसे अनुचित मानती है, जैसे आज की पीढ़ी स्त्रियो को सार्वजनिक जीवन में प्रवेश अपनी जाति के बाहर विवाह व नवस्थानिय परिवार की स्थापना आदि

सामाजिक गतिशीलता — सामाजिक गतिशीलता आधुनिक समाजो की विशेषता है आधुनिक समाज में विज्ञान व प्रौद्योगिकी का महत्व होने के कारण व्यक्तिगत गुण अवसर व प्रतियोगिता आदि महत्व अधिक होता है।

औद्योगिकरण व नगरीकरण —

अन्तर पीढ़ी संघर्ष का एक प्रधान कारण औद्योगिकरण एवं नगरीकरण है। दोनो के प्रभाव में अनेक तरह के नए नवीन पेशो का विकास हुआ श्रम विभाजन का आधार व्यक्ति की योग्यता बना, धन का महत्व बढ़ा आयु भेद का महत्व कम हुआ

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया